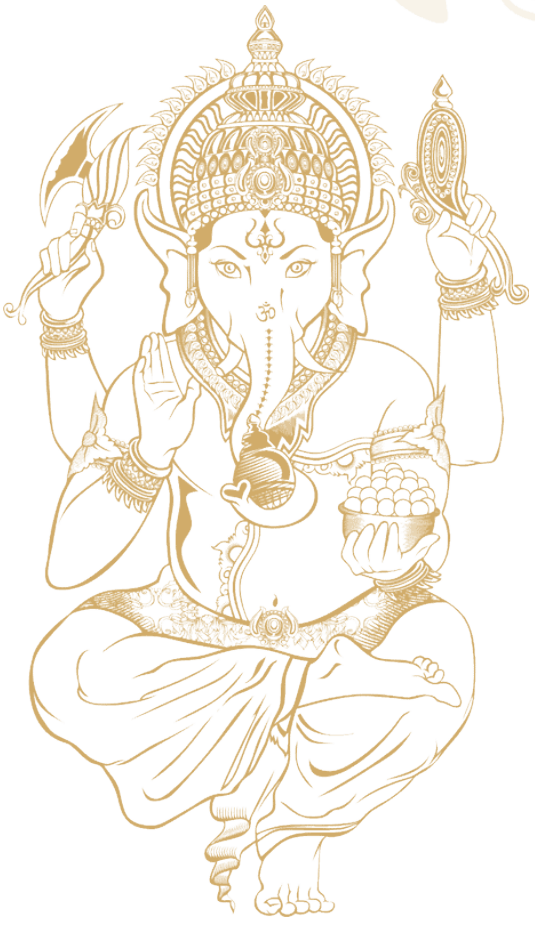

Mr.bapi das

Ms.sreya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120623202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/09/1985	जन्म तिथि	31/03/2000
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 08:17:00	जन्म समय	09:00:00 घंटे
घटी 07:15:15	जन्म समय(घटी)	08:43:30 घटी
India	देश	India
Haora	स्थान	Kolkata
22:36:00 उत्तर	अक्षांश	22:34:00 उत्तर
88:18:00 पूर्व	रेखांश	88:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:12	स्थानिक संस्कार	00:23:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:22:53	सूर्योदय	05:30:24
17:42:17	सूर्यास्त	17:51:26
23:39:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 11मा 6दि	05:44:49	तुला	लग्न	वृष	17:05:29	चन्द्र 1वर्ष 6मा 21दि
चन्द्र	26:36:31	सिंह	सूर्य	मीन	16:52:05	राहु
20/08/2016	03:56:04	सिंह	चंद्र	मक	21:15:17	21/10/2008
20/08/2026	08:16:54	सिंह	मंगल	मेष	12:03:46	22/10/2026
चन्द्र 20/06/2017	17:55:43	सिंह	बुध	कुंभ	19:12:30	राहु 04/07/2011
मंगल 19/01/2018	14:07:47	मक व	गुरु	मेष	15:07:35	गुरु 27/11/2013
राहु 21/07/2019	25:26:13	कर्क	शुक्र	कुंभ	27:57:32	शनि 03/10/2016
गुरु 19/11/2020	29:42:24	तुला	शनि	मेष	21:32:48	बुध 22/04/2019
शनि 20/06/2022	16:42:33	मेष व	राहु व	कर्क	07:23:16	केतु 10/05/2020
बुध 20/11/2023	16:42:33	तुला व	केतु व	मक	07:23:16	शुक्र 10/05/2023
केतु 20/06/2024	20:29:53	वृश्चि	हर्ष	मक	25:46:02	सूर्य 03/04/2024
शुक्र 19/02/2026	07:11:34	धनु	नेप	मक	12:19:08	चन्द्र 03/10/2025
सूर्य 20/08/2026	09:20:12	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	18:58:38	मंगल 22/10/2026

लग्न-चलित

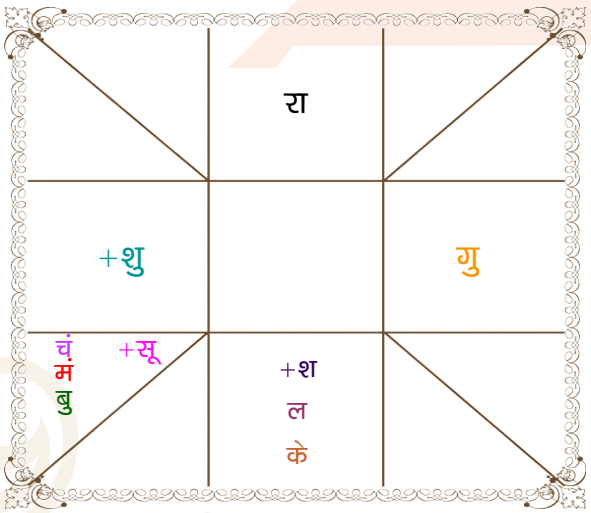

लग्न-चलित

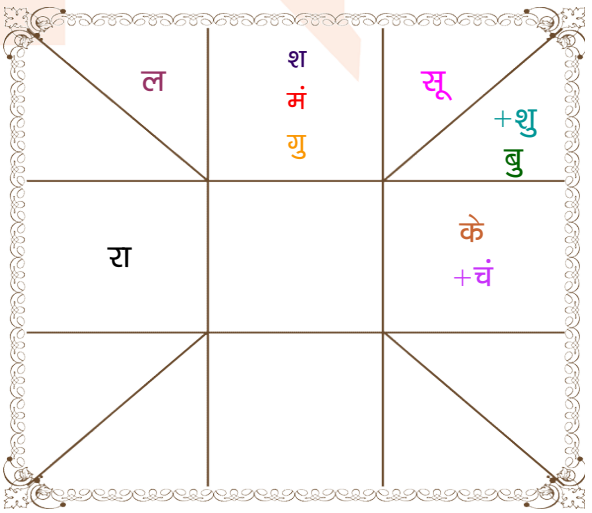

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	6.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.sreya का नक्षत्र श्रवण है।

Mr.bapi das का वर्ग मूषक है तथा Ms.sreya का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.bapi das और Ms.sreya का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.bapi das मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.sreya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.sreya कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.sreya कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.sreya कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.bapi das कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.bapi das तथा Ms.sreya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।